शुक्रवार
08 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4
वजन की चिंता किए बिना मिठाइयों का आनंद लेना चाहते हैं?

पृष्ठ 5
हिंदी सिनेमा में सलमान खान को हुए 35 साल पूरे

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 211
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

असत्य फूस के ढेर की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है।
— हरिभाऊ उपाध्याय

बागेश्वर उपचुनाव में भाजपा ने मारी बाजी

❑सहानुभूति वोट के सहारे पार्वती 2 हजार से अधिक मतों से जीती

विशेष संवाददाता

बागेश्वर। स्व. चंदन रामदास के निधन से खाली हुई बागेश्वर विधानसभा की सीट पर उनके परिवार का कब्जा बरकरार रहा है। भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री चंदन रामदास की पत्नी पार्वती रामदास ने आज हुई मतगणना में कांग्रेस प्रत्याशी बसंत कुमार को 2 हजार से अधिक मतों से मात देकर यह जीत दर्ज की है।

बागेश्वर विधानसभा सीट पर लगातार चार बार जीत दर्ज करने वाले स्वर्गीय चंदन रामदास के निधन के बाद भाजपा ने बिना इधर-उधर देखे उनकी पत्नी पार्वती रामदास को अपना प्रत्याशी बनाया गया था। हर चुनाव की तरह इस चुनाव को भी जहां भाजपा ने पूरी शिद्दत के साथ लड़ा था और मुख्यमंत्री धामी से लेकर उनके तमाम मंत्री यहां डेरा जमाये रहे उतनी ही गंभीरता से कांग्रेस ने भी इस उप चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी भले ही कांग्रेस प्रत्याशी को इस चुनाव में जीत न मिल सकी हो लेकिन जितने कम अंतर से यह जीत

❑कांग्रेस प्रत्याशी बसंत कुमार दूसरे नंबर पर रहे
❑भाजपा में जश्न, कहा भाजपा की नीतियों की जीत

हार हुई है वह भी कांग्रेस के लिए उत्साहवर्धक मानी जा रही है। इस सीट पर इतने कम अंतर से कभी हार जीत नहीं हुई है पिछले चुनाव में चंदन रामदास चौथी बार भी 12 हजार से अधिक वोटो से यह चुनाव जीते थे। वहीं राज्य में होने वाला यह 14वां उप चुनाव था उपचुनावों का इतिहास बताता है कि 14 उपचुनावों में से 13 उपचुनाव में सत्ताधारी दल को जीत मिली है।

बागेश्वर के इस उपचुनाव के लिए आज जब मतगणना शुरू हुई तो भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास ने पहले राउंड से बढ़त बनाना शुरू कर दी थी। लेकिन दसवें राउंड की गणना तक उनकी बढ़त 2 हजार के आसपास ही बनी रही। ग्यारवे राउंड की मतगणना के बाद पार्वती को 27 हजार 123 और कांग्रेस प्रत्याशी बसंत कुमार को 24854 वोट मिले तथा पार्वती 2259 वोटो से आगे चल रही थी। तेरहवें राउंड की मतगणना समाप्त होने पर उनकी यह बढ़त 2598 हो गई तथा उन्हें कुल 31411 व कांग्रेस प्रत्याशी को 28695 वोट मिले। चौदहवें अंतिम राउंड में पार्वती रामदास कि यह बढ़त 2810 हो गई और वह चुनाव जीत गई।

5 सितंबर को हुए इस उप चुनाव में इस बार 55 फीसदी के करीब मतदाताओं ने वोट डाले थे। इस विधानसभा सीट पर कुल मतदाता 1लाख 18 हजार के

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

बागेश्वर उप चुनाव जीत पर मुख्यमंत्री ने जनता का आभार व्यक्त किया

संवाददाता

देहरादून। उप चुनाव में श्रीमती पार्वती दास की जीत पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बागेश्वर की जनता का आभार व्यक्त किया।

आज यहां बागेश्वर विधानसभा उप निर्वाचन में भाजपा प्रत्याशी श्रीमती पार्वती दास की जीत पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बागेश्वर की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह विजय मातृशक्ति, युवाशक्ति और वरिष्ठजनों के हमारी सरकार पर अटूट विश्वास का प्रमाण है। इस उप चुनाव में बागेश्वर विधानसभा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और राज्य सरकार की नीतियों तथा जन कल्याणकारी योजनाओं पर मुहर लगाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जीत स्व. चंदनराम दास को श्रद्धांजलि है। उनके समय के रूके हुए कार्यों और उनके सपनों को पूरा किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बागेश्वर की जनता ने राज्य सरकार पर जो विश्वास जताया है, बागेश्वर की जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप बागेश्वर का विकास किया जायेगा। बागेश्वर उप निर्वाचन में जीत पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा प्रत्याशी श्रीमती पार्वती दास और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट को बधाई दी।

एयर होस्टेज का मर्डर करने वाले ने खुद को लगायी फांसी

मुंबई। पवई ट्रेनी एयर होस्टेस हत्या केस मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। आरोपी ने लॉक अप में अपने पैंट से फांसी लगा ली है। आरोपी का नाम विक्रम अटवाल था जिसकी उम्र 35 साल साल थी। आज कोर्ट में रिमांड के लिए पेशी होनी थी। कुछ दिन पहले मुंबई के पवई इलाके के एक फ्लैट में एक एयर होस्टेस का शव संदिग्ध हालत में मिला था। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलवाडे की जानकारी के मुताबिक, लाश सोमवार रात को पवई पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत मारवाह रोड पर स्थित एनजी हाउसिंग सोसाइटी के एक फ्लैट में मिली थी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश का पंचनामा किया जिसके बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक महिला की पहचान रूपल अगारे (25) के रूप में की गई, जो छत्तीसगढ़ के रायपुर की रहने वाली थी और हाल ही में एयर इंडिया में प्रशिक्षु (ट्रेनी) एयर होस्टेस के रूप में चुनी गई थी। इस हत्याकांड के शुरुआती पुलिस जांच में यह सामने आया था कि रूपल और विक्रम के बीच पहले से विवाद चला आ रहा था। रूपल जिस सोसाइटी में रहती थी, उसके साफ-सफाई को लेकर विक्रम के साथ कई बार कहासुनी भी हुई थी। संभवत: इसी बात से खुन्नस में आकर विक्रम ने रूपल की हत्या कर दी।

मणिपुर में सुरक्षा बलों और हथियारबंद लोगों के बीच गोलीबारी

इंफाल। मणिपुर में बीते मई महीने से जारी हिंसा आज तड़के सुबह उस वक्त उग्र हो गई, जब तेंगनौपाल जिले के पल्लेल में भारी गोलीबारी की घटना फिर से शुरू हो गई है। खबरों के अनुसार शुक्रवार को सुबह में करीब 6 बजे हिंसक विद्रोही सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक फायरिंग जारी थी।

एक समाचार वेबसाइट के अनुसार रक्षा सेवाओं से जुड़े सूत्रों ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि घाटी में छुपे हुए सशस्त्र बदमाशों ने सुबह 6 बजे अचानक पल्लेल के पास मोलनोई में सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी है। दोनों पक्षों की की ओर से लगातार गोलीबारी हो रही है। बताया जा रहा है कि इस भयंकर गोलीबारी के शुरू होने के बाद पूरे इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई और मैतेई महिला निगरानी दल मीरा पैबिस ने सड़क को अवरुद्ध करना शुरू कर दिया। हमले के संबंध में सुरक्षा अधिकारियों ने कहा, "मौके पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है फिलहाल स्थिति पर नजर रखी जा रही है और हालात को काबू में करने का प्रयास किया जा रहा है।श इससे पहले बीते बुधवार को बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिले की सीमा पर हजारों लोगों की भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच तीखी झड़प हुई थी, जिसमें लगभग दर्जनों लोग घायल हो गए थे। उसके बाद गुरुवार को बिष्णुपुर-चुराचांदपुर सीमा पर शांति बनी रही लेकिन तेंगनौपाल जिले के पल्लेल में शुरू हुई गोलाबारी से सुरक्षा बलों के सामने एक बार फिर शांति-व्यवस्था कायम करने में भारी चुनौती खड़ी हो गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

भारत को जोड़ने का प्रण

अपनी भारत जोड़ो यात्रा की पहली वर्षगांठ पर जहां पूरे देश में कांग्रेसियों ने सभी जिला मुख्यालय और राज्यों में भारत जोड़ो यात्राएं निकाली वहीं राहुल गांधी ने अपने एक पोस्ट के जरिए देश के लोगों को यह संदेश दिया है कि उनकी यह यात्रा देश से नफरत मिटाने और भारत के जुड़ने तक जारी रहेगी। बीते साल राहुल गांधी ने मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4000 किलोमीटर की जो पदयात्रा निकाली थी वह 145 दिन चली थी। कांग्रेस मोदी सरकार पर अपने कार्यकाल में देश में नफरत फैलाने और समाज को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाती रही है जिसके खिलाफ राहुल गांधी भाजपा के नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने की बात करते रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे का मानना है कि राहुल गांधी की यह पदयात्रा देश की टूटती सामाजिक चेतना को जोड़ने की दिशा में एक मील का पत्थर और ईमानदार प्रयास है। जो अब एक जन आंदोलन बन चुका है। कांग्रेस ही नहीं आज देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा राहुल गांधी के विचार से सहमति का भाव रखता है। आज जब सत्ताधारी भाजपा के नेताओं द्वारा सनातन और देश के नाम को बदलने और देश में सभी के लिए कानून और एक साथ चुनाव जैसे मुद्दों को लेकर आम जनता का ध्यान देश की महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे अन्य मुद्दों से भटकाने का प्रयास किया जा रहा है तथा देश में सांप्रदायिक और धार्मिक कट्टरवादिता का माहौल तैयार किया जा रहा है उसे सिर्फ कांग्रेस ही महसूस नहीं कर रही है बल्कि समूचा विपक्ष इसे लेकर चिंतित हैं और उसकी सोच है कि वह देश की एकता और बहुआयामी सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ है। राहुल गांधी ने अपनी इस पदयात्रा को भारत जोड़ो नाम दिया था। ऐसी स्थिति में यह समझा जा सकता है कि कांग्रेस को देश का नाम भारत होने पर क्या आपत्ति हो सकती है लेकिन भाजपा ने बिना वजह के इस मुद्दे को खड़ा करके एक नया विवाद पैदा कर दिया है देश के नाम को बदलने की यह मंशा और इसके कारणो को समझने का प्रयास किया जाए तो इसके पीछे सिर्फ भाजपा की विभाजनकारी सोच और मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने तथा विपक्षी गठबंधन जिसे इंडिया का नाम दिया गया है इसके अलावा अन्य कोई कारण नहीं है। विपक्ष के गठबंधन और उसकी प्रगति से एक बात साफ हो गई है कि भाजपा जिसने मोदी के नाम नारे 'मोदी है तो मुमकिन है' को जो चुनौती पेश की है उसे अब भाजपा के वह नेता भी महसूस कर रहे हैं जो इस बात का दम्भ भरते थे कि अब भाजपा को सत्ता से बाहर करने की ताकत किसी के पास नहीं है। राहुल गांधी और कांग्रेस को उनकी भारत जोड़ो यात्रा और सोच उनकी कितनी बड़ी राजनीतिक सफलता बन पाती है यह बात अलग है लेकिन उनकी इस ईमानदार पहल को हर किसी के द्वारा सराहा जा रहा है। यही कारण है कि इसे लेकर कांग्रेसियों को एक बार फिर उम्मीद जगी है कि वक्त बदलेगा और उसे उसकी खोई हुई राजनीतिक ताकत फिर मिल सकेगी। लेकिन कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर भी बहुत मेहनत करने की जरूरत है तभी उन्हें व कांग्रेस को कुछ फायदा मिल सकेगा और राहुल गांधी का प्रण भी पूरा हो सकेगा।

विधानसभा के मतदान केन्द्रों की सूची तैयार: झरना

संवाददाता

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने अवगत कराया है कि विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदान केन्द्रों की सूची तैयार कर ली गयी है। आज यहां मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी देहरादून सुश्री झरना कमठान ने अवगत कराया है कि मैनुअल ऑफ पोलिंग स्टेशन 2020 के पैरा- 3.2, 3.3 में दिये गये प्राविधानों के अनुसार जनपद के 15- चकराता (अ.ज.जा.) 16-विकासनगर, 17- सहसपुर, 18 - धर्मपुर, 19- रायपुर, 20 - राजपुर रोड (अ.जा.), 21- देहरादून कैण्ट, 22 मसूरी 23 - डोईवाला, एवं 24 - ऋषिकेश विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदान केन्द्रों की सूची (अनुलग्नक-1 में) तैयार की गयी है जो जिला निर्वाचन अधिकारी देहरादून की वेबसाईड एवं नगर निगम कार्यालय, देहरादून, समस्त नगरपालिका/ नगरपंचायत के कार्यालयों, खण्ड विकास अधिकारी कार्यालयों, जिला पंचायत कार्यालय, देहरादून, समस्त उपजिलाधिकारी / तहसीलदार (निर्वाचक रजि.अधिकारी / सहायक निर्वाचक रजि. अधिकारी) कार्यालयों एवं जिला निर्वाचन कार्यालय, देहरादून में जनसामान्य की जानकारी के लिए उपलब्ध है। उक्त संदर्भ में किसी प्रकार के सुझाव एवं आपत्तियां यदि कोई हों, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 7 दिन की अवधि के अन्तर्गत जिला निर्वाचन कार्यालय, देहरादून अथवा संबंधित उपजिलाधिकारी / तहसीलदार (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / सहायक निर्वाचक रजि. अधिकारी) के कार्यालयों में प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

इन्द्र: स दामने कृत ओजिष्ठ: स मदे हित:।
द्युम्नी श्लोकी स सोम्य:।।

(ऋग्वेद ८-९३-८)

परमेश्वर सर्वशक्तिमान है। वह इस सृष्टि का रचने वाला है। वह सृष्टि को चलाने वाला है और इस सृष्टि का संहार करने वाला भी वही है। वह हमारे उपासना रस को प्राप्त करने के योग्य है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने जारी किया सुधार परीक्षाफल

हाईस्कूल के रिजल्ट में 06.87 व इंटरमीडिएट 05.60 फीसदी की हुई वृद्धि

संवाददाता

देहरादून। शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत द्वारा जारी परीक्षाफल में सुधार परीक्षा के उपरांत हाईस्कूल के परीक्षा परिणाम में 06.87 प्रतिशत व इंटरमीडिएट में 05.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रकार वर्ष 2023 का हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 85.17 से बढ़कर 92.04 हो गया है जबकि इंटरमीडिया का परीक्षा परिणाम 80.98 से बढ़कर 86.57 हो गया है।

आज यहां राज्य में पहली बार आयोजित उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की परीक्षाफल सुधार परीक्षा-2023 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। परीक्षाफल सुधार परीक्षा के उपरांत हाईस्कूल के परीक्षा परिणाम में 06.87 प्रतिशत व इंटरमीडिएट में 05.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रकार वर्ष 2023 का हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 85.17 से बढ़कर 92.04 हो गया है जबकि इंटरमीडिया का परीक्षा परिणाम 80.98 से बढ़कर 86.57 हो गया है।

प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने आज विद्यालयी शिक्षा निदेशालय में उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की परीक्षाफल सुधार परीक्षा-2023 का परीक्षा परिणाम जारी किया। उन्होंने बताया कि राज्य में पहली बार विद्यालयी शिक्षा परिषद द्वारा परीक्षाफल सुधार परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें हाईस्कूल परीक्षा में कुल 13587 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया जिसमें 11956 अनुत्तीर्ण तथा 1631 उत्तीर्ण परीक्षार्थी शामिल हुये। इसी प्रकार इंटरमीडिएट में कुल 10119 परीक्षार्थियों ने परीक्षा सुधार के लिये आवेदन किया। जिसमें 9346 अनुत्तीर्ण तथा 773 उत्तीर्ण परीक्षार्थी शामिल हुये। डॉ. रावत ने बताया कि परीक्षाफल सुधार परीक्षा के अंतर्गत हाईस्कूल में 11517 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें 8780 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये। जबकि इंटरमीडिएट में 8996 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 6923 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये।

उन्होंने बताया कि परीक्षाफल सुधार परीक्षा के उपरांत हाईस्कूल के परीक्षा परिणाम में 06.87 प्रतिशत व इंटरमीडिएट में 05.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रकार वर्ष 2023 का हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 85.17 से बढ़कर 92.04 हो गया है जबकि इंटरमीडिया का परीक्षा परिणाम 80.98 से बढ़कर 86.57 हो गया है। डॉ. रावत ने कहा कि विद्यालयी शिक्षा परिषद की मुख्य परीक्षा में कई छात्र-छात्राएं बहुत कम अंकों से उत्तीर्ण होने से रह गये थे। जिन्हें सरकार ने पहली बार परीक्षाफल सुधार परीक्षा का मौका दिया। परीक्षाफल सुधार परीक्षा देने के उपरांत कई छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन कर अच्छे अंक प्राप्त किये है। उन्होंने इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुये कहा कि छात्रों की मेहनत रंग लाई है और उन्होंने इस मौके का फायदा उठाकर अपना एक वर्ष का अमूल्य समय बचा लिया है।

इस अवसर पर विभागीय मंत्री ने परीक्षाफल सुधार परीक्षा के नियम समय में सफलतापूर्वक आयोजन के लिये विभागीय एवं विद्यालयी शिक्षा परिषद के अधिकारियों की भी सराहना की। इस अवसर पर विद्यालयी शिक्षा निदेशक एवं बोर्ड की सभापति सीमा जौनसारी, अपर निदेशक माध्यमिक महावीर सिंह बिष्ट, विद्यालयी शिक्षा परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ईवीएम की जांच के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

संवाददाता

देहरादून। उपजिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने बताया कि ईवीएम की प्रथम जांच कार्य के अनुश्रवण के उद्देश्य से कंट्रोल रूम की स्थापना की गयी है।

मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी देहरादून सुश्री झरना कमठान ने अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड के कार्यालय एवं भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 01 सितम्बर, 2023 से ईसीआईएल मेक एम-3 बीयू, सीयू एण्ड वीवीपीएटी की प्रथम स्तरीय जांच (पीआईसी) का कार्य रायपुर ब्लॉक के आवासीय परिसर, तपोवन रोड में स्थित ईवीएमस वेयर हाउस में प्रातः 09.00 बजे से सांय 07.00 बजे तक सम्पादित किया जा रहा है।

ईवीएम की प्रथम स्तरीय जाँच (एफआईसी) कार्य के अनुश्रवण के उद्देश्य से जिला निर्वाचन कार्यालय, देहरादून में कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जिसका प्रभारी प्रशासनिक अधिकारी जिला निर्वाचन कार्यालय देहरादून श्रीमती सोनिया बहुगुणा (मो0-08370189016 एवं 0135-2624216 को बनाया गया है। श्रीमती सोनिया बहुगुणा कार्य की समाप्ति तक कन्ट्रोल रूम के प्रभारी के रूप में कार्य करेंगी।

मानसून के बाद केदारनाथ धाम यात्रा के लिए युद्ध स्तर पर चल रहे हैं काम

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। मानसून के बाद बाबा केदारनाथ धाम की दूसरे चरण की यात्रा को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। मानसून के बाद यात्रा मार्ग में विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधा एवं व्यवस्थाओं में जो कमी आयी है एवं वर्षा के कारण यात्रा मार्ग क्षतिग्रस्त हुआ है उसे जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार के निर्देशन में संबंधित विभागों द्वारा दुरुस्त एवं सुव्यवस्थित किया जा रहा है। बरसात के चलते अवरुद्ध यात्रा मार्ग को सुधारने, बिजली एवं पानी की आपूर्ति समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य किये जा रहे है।

अधिशासी अभियंता डीडीएमए विनय झिंकवाण ने बताया कि इस वर्ष मानसून के दौरान केदारनाथ यात्रा मार्ग में भारी बारिश व अतिवृष्टि के चलते यात्रा मार्ग कई स्थानों पर वाश आउट हो गया था एवं कई जगहों पर भारी बोल्डर आ गए थे जिसमें भैरव ग्लेशियर, कुबेर ग्लेशियर, हथनी ग्लेशियर, बडी लिंचोली, छोटी लिंचोली और भीमबली में सर्वाधिक नुकसान हुआ था। केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के दृष्टिगत विभाग द्वारा यात्रा रूट पर बाधित स्थानों में श्रमिकों द्वारा तत्परता से मार्ग को आवाजाही हेतु खोला जा चुका है तथा सभी स्थानों पर नियमित तौर से मरम्मत कार्य तत्परता से चल रहा है। उन्होंने अवगत कराया कि लिन्चोली के समीप पूर्ण रूप से वाश आउट हो चुके मार्ग को दो दिन के भीतर कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं थारू बैंड पर पुश्ता एवं रास्ता लगभग बन कर तैयार हो चुका है एवं रेलिंग लगाने का कार्य गतिमान है। रामबाडा से जाने वाला मुख्य मार्ग एवं बाईपास दोनों मार्ग यात्रियों के लिए खुला है। वहीं हथनी ग्लेशियर पर यात्रा के लिए मार्ग सुचारू है, वाश आउट वाले स्थान पर मरम्मत कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि केदारनाथ यात्रा मार्ग तीर्थ यात्रियों की आवाजाही हेतु पूर्ण रूप से सुचारू है तथा यात्रा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है।

केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों को साफ- स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो इसके लिए सुलभ इंटरनेशनल एवं केदारनाथ नगर पंचायत द्वारा यात्रा मार्ग एवं केदारनाथ धाम में निरंतर सफाई जा रही है। जल संस्थान द्वारा यात्रा मार्ग में क्षतिग्रस्त हुई पेयजल लाइनों को भी दुरुस्त किया जा रहा है एवं घोड़े खच्चरों के लिए गरम पानी की व्यवस्था भी मुहैया करवाई जा रही है।

नीति-कार्यक्रम के बिना!

सहज ही यह सवाल उठा कि क्या इंडिया गठबंधन की प्राथमिकता में नीति और कार्यक्रम महत्त्वहीन या सबसे नीचे है? इंडिया नेताओं का दावा है कि वे सत्ता पाने के लिए इकट्ठा नहीं हुए हैं। लेकिन आखिर लोग उनके इस दावे पर कैसे यकीन करें?

इंडिया गठबंधन के नेताओं ने मुंबई में हुई अपनी बैठक में अगले आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हरा देने का इरादा एक स्वर से जताया। बल्कि उन्होंने कथानक तो यह पेश किया कि इंडिया नाम के बैनर तले 28 दलों के इकट्ठा हो जाने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घबरा गए हैं। मोदी ने जिस तरह इस गठबंधन के नाम को निशाना बनाया है, या अचानक पांच दिन का विशेष सत्र बुलाने और वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए कमेटी बनाने का फैसला किया है, इंडिया नेताओं ने उसे उनकी घबराहट का संकेत बताया। इसके अलावा गठबंधन ने चार कमेटियों का एलान किया। ये कमेटियां इन दलों में समन्वय, सीटों के तालमेल का फॉर्मूला बनाने, चुनाव अभियान चलाने और मीडिया अभियान को संभालने के लिए हैं। मगर गठबंधन के नीति और कार्यक्रम अथवा साझा न्यूनतम कार्यक्रम की घोषणा की उम्मीद लगाए लोगों को मायूसी झेलनी पड़ी। राहुल गांधी ने अपने भाषण में यह जरूर कहा कि नीति और कार्यक्रम तय करने के लिए एक समिति बनेगी, लेकिन उसका एलान बैठक के आखिरी दिन नहीं हुआ।

तो सहज ही यह सवाल उठा कि क्या इन दलों की प्राथमिकता में नीति और कार्यक्रम महत्त्वहीन या सबसे नीचे है? इंडिया नेताओं का दावा है कि वे सत्ता पाने के लिए इकट्ठा नहीं हुए हैं। बल्कि वे देश, संविधान, लोकतंत्र, संघीय व्यवस्था, सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता को बचाने के लिए अपने मतभेदों को भुला कर एकजुट हुए हैं। उनका आरोप है कि मोदी सरकार देश में महंगाई, बेरोजगारी, देश की सरहद की रक्षा करने आदि जैसे मसलों पर नाकाम हो गई है। वह लोगों की अन्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार है। मगर जो लोग इन बातों से सहमत होंगे, वे भी यह अवश्य जानना चाहेंगे कि अगर इंडिया सत्ता में आया, तो वह महंगाई या बेरोजगारी पर कैसे काबू पाएगा, उसकी चीन और विदेश नीति क्या होगी, और कुल मिलाकर वह संवैधानिक भावनाओं को पुनर्स्थापित करने के लिए क्या कदम उठाएगा? मगर इंडिया गठबंधन ने सबसे पहले यह बताने को प्राथमिकता नहीं दी है। स्पष्ट है कि उसकी निर्भरता एंटी इन्कबेंसी पर है। मगर यह खुद उसके लिए हानिकारक सोच है। (आरएनएस)

तमाम शोर के बावजूद

ऐसे आंकड़े सामने आए हैं, जो सवाल उठाते हैं कि जिस तीव्रतम गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था का शोर है, उसका संबंध भारतीय आबादी के किस और कितने बड़े हिस्से से है? और जो बाकी आबादी है, उसका इस अर्थव्यवस्था में कितना दांव है?

शोर यह है कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था का अगला हॉट स्पॉट है। चीन के गिरने और भारत के उठने की कहानियों से मीडिया पटा हुआ है। जबकि उसी समय हर कुछ दिन पर ऐसी सच्चाइयां सामने आती हैं, तो हमारा सामना सिक्के के दूसरे पहलू से करा जाती हैं। ऐसे आंकड़े सामने आते हैं, जो सवाल उठाते हैं कि जिस तीव्रतम गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था का शोर है, उसका संबंध भारतीय आबादी के किस और कितने बड़े हिस्से से है? और जो बाकी आबादी है, उसका इस अर्थव्यवस्था में कितना दांव है? ऐसे ताजा आंकड़े ऐसे ही आंकड़े विश्व खाद्य सुरक्षा एवं पोषण रिपोर्ट-2023 ने पेश किए हैं। यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों से मिल कर तैयार करती है। जाहिर है, इस रिपोर्ट में आधिकारिक आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। ताजा रिपोर्ट 2021 के आंकड़ों पर आधारित है। इसमें बताया गया है कि भारत की 74 प्रतिशत आबादी स्वस्थ आहार जुटा पाने में अक्षम है। खाद्य की बढ़ती महंगाई के कारण लोगों के लिए गुजरे पांच वर्षों में स्वस्थ आहार ले पाना अधिक कठिन हो गया। 2017-18 की तुलना में 2019-21 में एशिया में ऐसे आहार की महंगाई 9.1 प्रतिशत बढ़ी। नतीजा यह है कि एशिया और उसके बीच भी दक्षिण एशिया में ऐसे लोग सर्वाधिक संख्या में हो गए हैं, जो स्वस्थ आहार से वंचित हो गए हैं। दुनिया के स्तर पर देखें, तो इस सिलसिले में भारत से ज्यादा खराब स्थिति सिर्फ नेपाल, पाकिस्तान या इथियोपिया जैसे देशों की है। प्रश्न यह है कि जिस देश की तीन चौथाई आबादी को स्वस्थ आहार ना मिलता हो, वह किस तरह के मानव विकास और स्वस्थ श्रमशक्ति की अपेक्षा रख सकता है? यह हकीकत इस बात पर रोशनी डालती है कि आर्थिक विकास और धन निर्माण होने के साथ ट्रिकल डाउन सिद्धांत के तहत समृद्धि सब तक पहुंचने का जो वादा किया गया था, वह झूठा साबित हुआ है। नतीजतन, अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों और आम जन की जिंदगी में आज शायद ही को संबंध रह गया है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

मानव-केंद्रित वैश्वीकरण

हमें जी20 को दुनिया के अंतिम छोर तक ले जाना है

●नरेंद्र मोदी

वसुधैव कुटुम्बकम-हमारी भारतीय संस्कृति के इन दो शब्दों में एक गहरा दार्शनिक विचार समाहित है। इसका अर्थ है, पूरी दुनिया एक परिवार है। यह एक ऐसा सर्वव्यापी दृष्टिकोण है जो हमें एक सार्वभौमिक परिवार के रूप में प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक ऐसा परिवार जिसमें सीमा, भाषा और विचारधारा का कोई बंधन ना हो। जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान, यह विचार मानव-केंद्रित प्रगति के आह्वान के रूप में प्रकट हुआ है। हम व्दम मंतजी के रूप में, मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। हम दम उपसल के रूप में विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोगी बन रहे हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के बाद की विश्व व्यवस्था इससे पहले की दुनिया से बहुत अलग है। कई अन्य बातों के अलावा, तीन महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। पहला, इस बात का एहसास बढ़ रहा है कि दुनिया के जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। दूसरा, दुनिया ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के महत्व को पहचान रही है। तीसरा, वैश्विक संस्थानों में सुधार के माध्यम से बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने का सामूहिक आह्वान सामने है। जी-20 की हमारी अध्यक्षता ने इन बदलावों में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। दिसंबर 2022 में जब हमने इंडोनेशिया से अध्यक्षता का भार संभाला था, तब मैंने यह लिखा था कि जी-20 को मानसिकता में आमूल-चूल परिवर्तन का वाहक बनना चाहिए। विकासशील देशों, ग्लोबल साउथ के देशों और अफ्रीकी देशों की हाशिए पर पड़ी आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए इसकी विशेष आवश्यकता है। इसी सोच के साथ भारत ने 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' का भी आयोजन किया था। इस समिट में 125 देश भागीदार बने। यह भारत की अध्यक्षता के तहत की गई सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक रही। यह ग्लोबल साउथ के देशों से उनके विचार, उनके अनुभव जानने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था। इसके अलावा, हमारी अध्यक्षता के तहत न केवल अफ्रीकी देशों की अबतक की सबसे बड़ी भागीदारी देखी गई है, बल्कि जी-20 के एक स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकन यूनियन को शामिल करने पर भी जोर दिया गया है। हमारी दुनिया परस्पर जुड़ी हुई है, इसका मतलब यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में हमारी चुनौतियां भी आपस में जुड़ी हुई हैं। यह 2030 एजेंडा के मध्य काल का वर्ष है और कई लोग चिंता जता रहे हैं कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के मुद्दे पर प्रगति पटरी से उतर गई है। एसडीजी के मोर्चे पर तेजी लाने से संबंधित जी-20 2023 का एक्शन प्लान भविष्य की दिशा निर्धारित करेगा। इससे एसडीजी को हासिल करने का रास्ता तैयार होगा। भारत में, प्राचीन काल से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर आगे बढ़ना हमारा एक आदर्श रहा है और हम आधुनिक

समय में भी क्लाइमेट एक्शन में अपना योगदान दे रहे हैं। ग्लोबल साउथ के कई देश विकास के विभिन्न चरणों में हैं और इस दौरान क्लाइमेट एक्शन का ध्यान रखा जाना चाहिए। क्लाइमेट एक्शन की आकांक्षा के साथ हमें ये भी देखना होगा कि क्लाइमेट फाइनेंस और ट्रांसफर ऑफ टेक्नॉलजी का भी ख्याल रखा जाए। हमारा मानना है कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए पाबंदियों वाले रवैये को बदलना चाहिए। 'क्या नहीं किया जाना चाहिए' से हटकर 'क्या किया जा सकता है' वाली सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें एक रचनात्मक कार्यसंस्कृति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। एक टिकाऊ और सुदृढ़ ब्लू इकॉनमी के लिए चेन्नई एचएलपी हमारे महासागरों को स्वस्थ रखने में जुटी है। ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन सेंटर के साथ, हमारी अध्यक्षता में स्वच्छ एवं ग्रीन हाइड्रोजन से संबंधित एक ग्लोबल इकोसिस्टम तैयार होगा। वर्ष 2015 में, हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस का शुभारंभ किया था। अब, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस के माध्यम से हम दुनिया को एनर्जी ट्रांजिशन के योग्य बनाने में सहयोग करेंगे। इससे सर्कुलर इकॉनमी का फायदा ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचेगा। क्लाइमेट एक्शन को लोकतांत्रिक स्वरूप देना, इस आंदोलन को गति प्रदान करने का सबसे अच्छा तरीका है। जिस प्रकार लोग अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर रोजमर्रा के निर्णय लेते हैं, उसी प्रकार वे इस धरती की सेहत पर होने वाले असर को ध्यान में रखकर अपनी जीवनशैली तय कर सकते हैं। जैसे योग वैश्विक जन आंदोलन बन गया है, उसी तरह हम 'लाइफस्टाइल फॉर सस्टेनेबल इनवायरमेंट' को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण, खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे निपटने में मोटा अनाज या श्रीअन्न से बड़ी मदद मिल सकती है। श्रीअन्न क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर को भी बढ़ावा दे रहा है। इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स के दौरान हमने श्रीअन्न को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया है। द डेक्कन हाई लेवल प्रिंसिपल्स ऑन फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन से भी इस दिशा में सहायता मिल सकती है। टेक्नॉलजी परिवर्तनकारी है लेकिन इसे समावेशी भी बनाने की जरूरत है। अतीत में, तकनीकी प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों को समान रूप से नहीं मिला। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने दिखाया है कि कैसे टेक्नॉलजी का लाभ उठाकर असमानताओं को कम किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, दुनिया भर में अरबों लोग जिनके पास बैंकिंग सुविधा नहीं है, या जिनके पास डिजिटल पहचान नहीं है, उन्हें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के माध्यम से साथ लिया जा सकता है। डीपीआई का उपयोग करके हमने जो परिणाम प्राप्त किए हैं, उन्हें पूरी दुनिया देख रही है, उसके महत्व को स्वीकार कर रही है। अब, जी-20 के माध्यम से हम विकासशील देशों को डीपीआई अपनाने, तैयार करने और उसका विस्तार करने में मदद करेंगे, ताकि वो समावेशी विकास की ताकत हासिल कर सकें। भारत का सबसे तेज गति से बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाना कोई आकस्मिक घटना नहीं है। हमारे सरल, व्यावहारिक और सस्टेनेबल तरीकों ने कमजोर और वंचित लोगों को हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाया है। अंतरिक्ष से लेकर खेल, अर्थव्यवस्था से लेकर उद्यमिता तक, भारतीय महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। आज महिलाओं के विकास से आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व में विकास के मंत्र पर भारत आगे बढ़ रहा है। हमारी जी-20 प्रेसीडेंसी जेंडर डिजिटल डिवाइड को पाटने, लेबर फोर्स में भागीदारी के अंतर को कम करने और निर्णय लेने में महिलाओं की एक बड़ी भूमिका को सक्षम बनाने पर काम कर रही है। भारत के लिए, जी-20 की अध्यक्षता केवल एक उच्च स्तरीय कूटनीतिक प्रयास नहीं है। मदर ऑफ डेमोक्रेसी और मॉडल ऑफ डाइवर्सिटी के रूप में हमने इस अनुभव के दरवाजे दुनिया के लिए खोल दिये हैं। आज किसी काम को बड़े स्तर पर करने की बात आती है तो सहज ही भारत का नाम आ जाता है। जी-20 की अध्यक्षता भी इसका अपवाद नहीं है। यह भारत में एक जन आंदोलन बन गया है। जी-20 प्रेसीडेंसी का हमारा कार्यकाल खत्म होने तक भारत के 60 शहरों में 200 से अधिक बैठकें आयोजित की जा चुकी होंगी। इस दौरान हम 125 देशों के लगभग 100,000 प्रतिनिधियों की मेजबानी कर चुके होंगे। किसी भी प्रेसीडेंसी ने कभी भी इतने विशाल और विविध भौगोलिक विस्तार को इस तरह से शामिल नहीं किया है। भारत की डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी, डाइवर्सिटी और डेवलपमेंट के बारे में किसी और से सुनना एक बात है और उसे प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करना बिल्कुल अलग है। मुझे विश्वास है कि हमारे जी-20 प्रतिनिधि इसे स्वयं महसूस करेंगे। हमारी जी-20 अध्यक्षता विभाजन को पाटने, बाधाओं को दूर करने और सहयोग को गहरा करने का प्रयास करती है। हमारी भावना एक ऐसी दुनिया के निर्माण की है, जहां एकता हर मतभेद से ऊपर हो, जहां साझा लक्ष्य अलगाव की सोच को खत्म कर दे। जी-20 अध्यक्ष के रूप में, हमने वैश्विक पटल को बड़ा बनाने का संकल्प लिया था, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि हर आवाज सुनी जाए और हर देश अपना योगदान दे। मुझे विश्वास है कि हमने कार्यों और स्पष्ट परिणामों के साथ अपने संकल्प पूरे किये है।

नेल क्रीम लगाने से रूखे-सूखे हाथ बन जाएंगे मक्खन से मुलायम!

हम आमतौर पर अपने चेहरे की देखभाल तो करते हैं लेकिन हाथों पर ध्यान देना भूल जाते हैं। हमारे हाथ सभी काम करते हैं जिसके कारण इन्हें अधिक देखभाल की जरूरत होती है। दरअसल, हाथ और नाखूनों को अच्छी तरह से साफ करने के साथ ही इन्हें भरपूर पोषण की जरूरत होती है। अच्छी मॉश्चराइजिंग क्रीम हाथ और नाखूनों को ड्राई और डल होने से बचाती है।

मार्केट में बहुत से हैंड और नेल क्रीम मौजूद हैं। लेकिन इनमें हानिकारक रसायन मौजूद होते हैं जो नाखून और हाथ की त्वचा को डैमेज कर देते हैं। इसलिए घर पर ही हैंड और नेल क्रीम बनाना बेहतर होता है। क्रीम का इस्तेमाल करना कई मायनों में फायदेमंद है।

मैनीक्योर के दौरान हम सभी हाथ की मालिश कराते हैं। लेकिन घर पर हर रोज क्रीम से नाखून और हाथों की हल्की मालिश इन्हें स्वस्थ रखती है। इसके अलावा भी हाथ और नाखून की मालिश के कई फायदे हैं।

*रोजाना क्रीम से नाखूनों को मॉश्चराइज करने से हमारे नाखून मजबूत, स्वस्थ और लंबे होते हैं।

*नाखून और हाथों पर क्रीम लगाने से स्किन डैमेज नहीं होती है। क्रीम नाखूनों को रिपेयर करने में मदद करती है।

*शरीर के अन्य हिस्सों की तरह हाथों को भी हाइड्रेट करने की जरूरत पड़ती है। इसके लिए हैंड और नेल क्रीम का इस्तेमाल करना बेहतर ऑप्शन है।

*हाथ और नाखून पर क्रीम लगाने से बढ़ती उम्र के लक्षण नजर नहीं आते हैं। यह हाथों को जवान और खूबसूरत बनाती है।

*हैंड और नेल क्रीम में मॉश्चराइजिंग तत्व पाए जाते हैं जो आपके नाखूनों और हाथों को पूरे दिन सॉफ्ट और चिकना रखते हैं।

हाथ और नाखून के लिए घर पर ऐसे बनाएं क्रीम

आवश्यक सामग्री

*1 कप एलोवेरा जेल

*1/2 कप कसा हुआ मोम

*1/2 कप बादाम तेल या जोजोबा ऑयल

*1 चम्मच विटामिन ई ऑयल

*एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें

विधि

1.एक कटोरे में एलोवेरा जेल, विटामिन ई ऑयल और एसेंशियल ऑयल को अच्छी तरह मिलाएं।

2.एक पैन में कसा हुआ मोम, बादाम का तेल लें और थोड़ा पानी मिलाएं।

3.पैन को आंच पर चढ़ाएं और पिघलने के बाद उतारकर ठंडा करें।

4.इब इसे ब्लेंडर में डालें और एलोवेरा का मिश्रण मिलाएं।

5.सभी सामग्री अच्छी तरह मिलाने के बाद इसे कंटेनर में रखें।

6.आपके हाथ और नाखून के लिए क्रीम तैयार है।(आरएनएस)

आदित्य रॉय कपूर लेकर आ रहे अपना म्यूजिक एल्बम

आदित्य रॉय कपूर उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिनके खाते में भले ही फ्लॉप फिल्में ज्यादा हों, लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग अच्छी-खासी है। उनकी एक्टिंग से कहीं ज्यादा लोग उनके लुक के दीवाने हैं। खासकर लड़कियों के बीच आदित्य बेहद लोकप्रिय हैं। बात अगर उनकी हाल फिलहाल आई फिल्मों की करें तो उनकी पिछली फिल्म गुमराह ने भी दर्शकों को गुमराह किया। फिल्मों में आदित्य की दाल गल नहीं रही है। शायद इसलिए अब उन्होंने संगीत का रुख किया है। आदित्य ने कहा, मुझे संगीत से बेहद लगाव है। अब मैं एक एल्बम पर काम कर रहा हूं। उम्मीद है इसे जल्द आपके बीच पेश करूंगा। मैंने स्टूडियो में इस एल्बम पर काम किया है। संगीत हमेशा से मेरा एक जुनून और शौक रहा है, लेकिन अब मैं इसे और ज्यादा गंभीरता से ले रहा हूं। उन्होंने कहा, यह विचार मेरे दिमाग में आशिकी 2 के समय ही आ गया था, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। आदित्य ने कहा, मैंने आशिकी 2 के दौरान निर्देशक मोहित सूरी से इस पर चर्चा की थी। वह चाहते थे कि मैं सुर लगाने के लिए स्टूडियो में जाऊं और एक गायक के रूप में गाने को महसूस करूं, क्योंकि फिल्म में मैंने एक गायक की भूमिका निभाई थी। आदित्य बोले, द नाइट मैनेजर और मलंग के रिकॉर्डिंग स्टूडियो में पूरे जोर-शोर से मैं आशिकी 2 के गाने गाता था, भले ही वे कितने बुरे क्यों न लग रहे हों। जब आदित्य से पूछा गया कि क्या वह अपनी आने वाली किसी फिल्म में सुर लगाना चाहेंगे तो उनका जवाब था, मैंने अब तक किसी फिल्म में गाना नहीं गाया है, लेकिन मुझे यकीन है कि भविष्य में ऐसा हो सकता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हिंदी हो या अंग्रेजी, गाना तो गाना ही है, लेकिन अगर मुझे किसी हिंदी फिल्म में गाना होगा तो मैं उससे पहले अपने गायन पर थोड़ा और काम करना चाहूंगा। आदित्य जल्द ही फिल्म मेट्रो इन दिनों में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। इसमें सारा अली खान, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में आएगी। आदित्य को पिछली बार वेब सीरीज द नाइट मैनेजर पार्ट 2 में देखा गया था और पहले भाग की तरह दूसरे भाग में भी उनके अभिनय की तारीफ हुई थी।(आरएनएस)

वजन की चिंता किए बिना मिठाइयों का आनंद लेना चाहते हैं?

त्योहारी सीजन शुरू हो चुका है और कजरी तीज, हरतालिका तीज, कृष्ण जन्माष्टमी, गणेशोत्सव और अनंत चतुर्दशी जैसे कई त्योहार सितंबर में आने वाले हैं।ऐसे में घर में तरह-तरह की मिठाइयां होना तो लाजमी है, लेकिन क्या आप उनका सेवन वजन बढ़ने के डर से नहीं कर पाते हैं?चलिए फिर आज हम आपको 5 प्रभावी तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप वजन की चिंता किए बिना मिठाइयों का आनंद ले सकते हैं।

मात्रा को कम करें

जब भी आपको काजू कतली और गुलाब जामुन जैसी मिठाइयां खाने का मन करें तो उनके हिस्से को कम करें।उदाहरण के लिए मिठाई को बहुत बार खाने की बजाय उसका केवल एक टुकड़ा खाएं। इस तरह आप संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखते हुए मिठाई का आनंद ले सकते हैं।ऐसे मिठाई के हिस्से को नियंत्रित करके आप ज्यादा कैलोरी लेने से बच सकते हैं। यह अपनी फिटनेस और स्वास्थ्य लक्ष्यों के प्रति सचेत रहने का एक स्मार्ट तरीका है।

कम कैलोरी वाली मिठाइयां चुनें

बहुत अधिक चीनी और वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें और ऐसे विकल्प चुनें, जिनमें कम कैलोरी हो।वैसे फल वाली मिठाइयां पोषण और स्वाद को एक साथ जोड़ती हैं। उदाहरण के लिए ताजे फलों की चाट बनाकर खाएं। यह आवश्यक पोषक तत्वों के साथ-साथ एक प्राकृतिक मिठास प्रदान करती है, जो शरीर के लिए लाभदायक है। आप चाहें तो पारंपरिक मिठाइयों के कम चीनी या चीनी मुक्त संस्करणों को भी चुन सकते हैं।

भूख लगने पर मिठाइयों की जगह खाएं स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स

अगर आपको दोपहर के खाने से पहले ही भूख लग जाए तो आप मिठाइयों की ओर बढ़ने की जगह स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स को खा सकते हैं।आप पोहे के साथ चकली या नमकीन खा सकते हैं या फिर सूखे मेवे भी खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को विटामिन- डी और कैल्शियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व मिलेंगे और वजन नियंत्रित रखना भी आसान हो सकता है।यहां जानिए हल्की-फुल्की भूख को शांत करने वाले स्नैक्स।

खुद को रखें अच्छी तरह से हाइड्रेट

त्योहारों के दौरान घर में कई तरह की मिठाइयां होती हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाली वसा में इजाफा करती हैं। इससे आपको बढ़ते वजन का शिकार होना पड़ सकता है।इसका कारण है कि अधिकांश समय आपका शरीर केवल मिठाइयों के सेवन के लिए उकसाता है, इसलिए उस दौरान मिठाइयों की बजाय पानी पीएं।पानी आपका पेट भरेगा और आपकी भूख लगने की इच्छा को भी नियंत्रित करेगा।

नियमित रूप से करें वर्कआउट

त्योहारों के दौरान खुद के लिए समय निकालना एक कठिन काम हो सकता है, लेकिन इस दौरान खुद को फिट रखने और वजन बढ़ने की समस्या से बचने के लिए आपको नियमित रूप से एक्सरसाइज करना सुनिश्चित करना होगा।अगर आप जिम जाने में असमर्थ हैं तो आप अपने घर पर कसरत कर सकते हैं और अतिरिक्त कैलोरी को बर्न कर सकते हैं।नियमित वर्कआउट आपको फिट रखने के साथ कई बीमारियों से भी बचाता है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -034

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

1		2	3	4		5		6
		7			8			
9				10		11		
		12				13	14	
	15					16		
			17				18	19
	20	21		22		23		
24				25				
	26						27	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 33 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

कच्ची शराब के तीन कारोबारी छापेमारी के दौरान हुए फरार, तलाश जारी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब कारोबारियों पर छापेमारी करते हुए पुलिस ने मौके से कच्ची शराब व उपकरण बरामद कर लिये है। हालांकि इस दौरान कच्ची शराब के तीन कारोबारी फरार होने में सफल रहे जिनकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार थाना खानपुर पुलिस द्वारा एक सूचना के बाद अहियापुर गांव में छापेमारी की गयी। हालांकि इस छापेमारी के दौरान अफरा तफरी का फायदा उठाते हुए कच्ची शराब के तीन कारोबारी फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने मौके से 10 लीटर कच्ची शराब, भट्टी व अन्य उपकरण बरामद कर लिये है। खानपुर थानाध्यक्ष मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि अहियापुर गांव में भट्टी लगाकर कच्ची शराब बनाने की सूचना पर छापेमारी की गई है। उन्होंने बताया कि तीन आरोपियों द्वारा अपनी ही गौशाला के अंदर कच्ची शराब बनाने को अंजाम दिया जा रहा था जो पुलिस को आता देख फरार हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने मौके से 10 लीटर कच्ची शराब सहित मय भट्टी उपकरण बरामद किए गए हैं। साथ ही बताया कि फरार आरोपी तेजपाल पुत्र लाल सिंह, अर्जुन पुत्र तेजपाल व नौजी पुत्र तेजपाल निवासी अहियापुर की गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किया जा रहे हैं जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

छात्र-छात्रा की बाइक को डंपर ने मारी टक्कर, दोनो घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर लालकुआं फ्लाईओवर के पास कोचिंग जा रहे बाइक सवार छात्र-छात्रा को अनियंत्रित डंपर ने टक्कर मार दी। जिससे दोनो गंभीर रूप से जख्मी हो गये। घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए एसटीएच अस्पताल भेजा गया। जहां चिकित्सकों द्वारा दोनों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम लगभग 5 बजे लालकुआं से हल्दूचौड़ की ओर कोचिंग पढ़ने जा रहे छात्र-छात्रा की बाइक जैसे ही फ्लाईओवर पर पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनो घायलों को एंबुलेंस के जरिए उन्हें सुशीला तिवारी अस्पताल भेजा गया। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घायल छात्र का नाम राजन गोड़ (18) पुत्र मोहन प्रसाद निवासी वीआईपी गेट लालकुआं व छात्रा का नाम बंगाली कॉलोनी निवासी करिश्मा (16) है।

हिंदी सिनेमा में सलमान खान को हुए 35 साल पूरे

सुपरस्टार सलमान खान ने हिंदी सिनेमा में 35 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर सलमान खान फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया।

पिछले दिनों उन्होंने इंस्टाग्राम पर प्रोडक्शन हाउस ने कैप्शन के साथ एक छोटी क्लिप शेयर की, सिनेमा के साथ सलमान खान के रोमांस के 35 साल, एक्शन से भरी जर्नी और एक विरासत जो जारी रहेगी।

इंडस्ट्री में उनके 35 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए, सलमान खान फिल्म्स ने एक वीडियो असेंबल पोस्ट किया, जिसमें शुरूआत से लेकर वर्तमान तक की उनकी पूरी जर्नी को दिखाया गया। इसमें उनकी कुछ सबसे आइकोनिक फिल्मों जैसे प्यार किया तो डरना क्या, वांटेड, दबंग, सुल्तान, बॉडीगार्ड और टाइगर के क्लिप शामिल हैं,

जिसमें उनके कुछ सबसे पॉपुलर डायलॉग और क्लिप शामिल हैं। दबंग स्टार ने 1988 में फिल्म बीवी हो तो ऐसी में सपोर्टिंग रोल के जरिए भारतीय मनोरंजन उद्योग की दुनिया में अपनी जर्नी शुरू की। लेकिन, एक्टर को फिल्म मैंने प्यार किया से लोकप्रियता मिली। इसके बाद उन्होंने करण अर्जुन, हम आपके हैं कौन, हम साथ-साथ हैं, बीवी नंबर 1 और हम दिल दे चुके सनम जैसी कई अन्य फिल्मों के साथ आगे बढ़े। उन्होंने बॉडीगार्ड, दबंग, टाइगर, वांटेड और किक समेत कई अन्य फिल्में कर लोगों के दिलों में जगह बनाई। सुपरस्टार एक सफल निर्माता भी बन गए हैं और उन्होंने साल 2011 में सलमान खान फिल्म्स की शुरुआत की, जिसके बाद उन्होंने चिल्लर पार्टी जैसी फिल्में बनाई। मेगा-ब्लॉकबस्टर बजरंगी भाईजान, जिसने न केवल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, बल्कि उन्हें कई पुरस्कार और प्रशंसाएं भी मिलीं। सलमान की हाल ही में फिल्म किसी का भाई किसी की जान बड़े पर्दे पर रिलीज हुई। उनकी एक्शन-स्पाई-थ्रिलर फिल्म टाइगर 3 सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जो इस दिवाली पर रिलीज होने वाली है। (आरएनएस)

मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मानित

संवाददाता

डीडीहाट। जीएमसी लखनऊ के सीनियर यूरोलोजिस्ट डा. नन्दन सिंह डसीला ने डीडीहाट व कनालीछीना में हाईस्कूल परीक्षा के 52 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मानित किया।

आज यहां जीएमसी लखनऊ के सीनियर यूरोलोजिस्ट डॉक्टर नन्दन सिंह डसीला द्वारा विगत वर्षों की भाँति ही विकासखण्ड डीडीहाट तथा कनालीछीना में वर्ष 2023 परिषदीय हाईस्कूल परीक्षा के 52 मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। राजकीय इण्टर कालेज डीडीहाट के सभागार में यह आयोजन दोनों विकासखंडों से आये मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ कैरियर काउंसलिंग के साथ आरम्भ हुआ, जिसमें डॉक्टर डसीला ने बच्चों के बीच बैठकर उनके लक्ष्य पर बातें की और भविष्य में उस क्षेत्र में उनकी सहायता करने हेतु भी अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

डीडीहाट निवासी डॉ. नंदन सिंह डसीला ऐसे ही लोगों में से एक हैं, जिन्होंने अपने सीमांत क्षेत्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को संवारने की बीड़ा उठाया है। स्थानीय गाँव काण्डे- बरला निवासी डॉ. डसीला की शिक्षा-दीक्षा डीडीहाट व नारायण नगर विद्यालयों में संपन्न हुई। वर्ष 1978 में एमबीबीएस करने के बाद वह देश के विभिन्न क्षेत्रों एवम संयुक्त राष्ट्र संघ में अपनी अनवरत सेवाएं देते आ रहे हैं। इस वर्ष भी उनके द्वारा सीमांत क्षेत्र के विद्यालयों में अध्ययनरत मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान, बौद्धिक सहायता प्रदान कर उन्हें बेहतर करियर हेतु यथोचित सुझाव, संसाधन, प्रोत्साहन दिया गया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष कमला चुफाल, खण्ड शिक्षा अधिकारी हिमांशु नौगाई, पूर्व आई जी कुन्दन सिंह जंगपांगी, पत्रकार व एक्टिविस्ट जगत मर्तोलिया, प्रधानाचार्य प्रेम सिंह पापड़ा, विक्रम सिंह बिष्ट, किशोर साह, डॉ इंद्रजीत सामन्त, त्रिभुवन सिंह डसीला, शेखर कफलिया, मनोहर सिंह भड़, धीरज खड़ायत और लोकेश डसीला मौजूद रहे।

महिला उत्थान ट्रस्ट ने विधायक व मेयर के सामने रखी जन समस्याएं

संवाददाता

देहरादून। महिला उत्थान सशक्तिकरण ट्रस्ट ने विधायक विनोद चमोली व मेयर सुनील उनियाल गामा के सामने जन समस्याएं रख उनके निराकरण की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

आज यहां क्षेत्र में बढ़ते डेंगू एवं अन्य घातक बीमारियों की रोकथाम के लिए अति शीघ्र किए जाने वाले उपायो के लिए महिला उत्थान सशक्तिकरण ट्रस्ट का पांच सदस्य प्रतिनिधि मंडल ट्रस्ट की अध्यक्ष रेनू रौतेला के नेतृत्व में धर्मपुर विधानसभा के विधायक विनोद चमोली से मुलाकात कर उन्हें क्षेत्र में होने वाले समस्याओं से अवगत कराया और उनको ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने क्षेत्र के विधायक से अपील की डेंगू एवं अन्य बीमारियों के बढ़ते प्रभाव को दूर करने के लिए क्षेत्र में फॉगिंग, और सफाई की उचित व्यवस्था की जाये। झाड़ियों का कटान हो और जहां पर गड्ढे हैं। उनको शीघ्र भरा जाये। जिससे उन पर पानी न भरे। महिला उत्थान सशक्तिकरण ट्रस्ट के पांच सदस्य प्रतिनिधि मंडल द्वारा देहरादून महापौर सुनील उनियाल गामा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मुलाकात कर उनको भी लिखित पत्र देकर समस्याओं से अवगत कराया। और अतिशीघ्र क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाने की अपील की जिससे शिविर में सभी क्षेत्र वासियों की स्वास्थ्य संबंधी जांच हो सके।

महिला उत्थान सशक्तिकरण ट्रस्ट की पांच सदस्य प्रतिनिधि मंडल में ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती रेनू रौतेला, कोषाध्यक्ष रजनी तड़ियाल, मीडिया प्रभारी मीरा लिंगवाल, अनुराधा भान, कपिला सकलानी ने धर्मपुर विधानसभा में होने वाले जन समस्याओं को सभी जनप्रतिनिधि यों के समस्त अपनी बात बड़ी मुखर होकर बताई।

जनजागृति समिति ने कैबिनेट मंत्री को बतायी गुच्चुपानी की समस्या

संवाददाता

देहरादून। जनजागृति कल्याण समिति ने कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से मिल पर्यटन स्थल गुच्चुपानी की समस्या से अवगत कराया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से जनजागृति कल्याण समिति के पदाधिकारियो ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी के माता भद्रकाली मन्दिर से गुच्चुपानी तक बायपास मार्ग निर्माण के लिए अनुमति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है। पदाधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया है कि अनारवाला, गुच्चुपानी जो कि कैंट क्षेत्र के अन्तर्गत आता है, एक पर्यटक बाहुल्य क्षेत्र है, जिसमें अत्यन्त मात्रा में पर्यटकों का आवागमन रहता है। इस स्थान पर संकरा मार्ग होने के कारण गाड़ियों से जाम तथा पर्यटकों के आवागमन की अनेकों समस्याएं बनी रहती है। अनारवाला गुच्चुपानी में माता भद्रकाली मन्दिर से गुच्चुपानी तक बायपास मार्ग निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने मंत्री गणेश जोशी से अनारवाला में माता भद्रकाली मन्दिर से गुच्चुपानी तक बायपास रास्ता निर्माण की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया। जिसपर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने संबंधित अधिकारी को फोन पर वार्ता के माध्यम से शीघ्र समस्या समाधान के निर्देशित किया। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने आल इण्डिया गोरखा एक्स सर्विसमेन एसोसिएशन विजयपुर नया गांव देहरादून को 50 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक भी वितरित किया। इस अवसर पर कैप्टन दिनेश प्रधान, कोषाध्यक्ष गंभीर सिंह लामा, सह सचिव अनूप थापा, शमशेर सिंह आले, पुष्प कुमार, एके मुखिया, सूबेदार अनूप राणा, भीम बहादुर आदि उपस्थित रहे।

2024 में चुनावी मुकाबला नजदीकी का

अजीत द्विवेदी

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पुनर्जीवित होने और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के औपचारिक शक्ल लेने के बाद हुए पहले बड़े सर्वेक्षण में 'मूड ऑफ द नेशन' भाजपा और एनडीए के पक्ष में दिखा है। सी-वोटर के सर्वेक्षण के मुताबिक एनडीए को एक बार फिर तीन सौ से ज्यादा सीटें मिलेंगी और भाजपा अकेले पूर्ण बहुमत हासिल करेगी। हालांकि दोनों की सीटें 2019 के मुकाबले कम होने की संभावना है। इस सर्वेक्षण के मुताबिक एनडीए को 306 और भाजपा को 287 सीटें मिलेंगी। इसका मतलब है कि एनडीए की 27 और भाजपा की 16 सीटें कम होंगी। अगर वोट प्रतिशत की बात करें तो एनडीए को 43 फीसदी वोट मिलेंगे। अकेले भाजपा के 39 फीसदी वोट हासिल करने की संभावना जाहिर की गई है, जो पिछली बार से दो फीसदी से ज्यादा है। यानी विपक्षी गठबंधन का एक छोटा सा फायदा यहां दिख रहा है कि भाजपा का वोट दो फीसदी बढ़ेगा लेकिन सीटें कम हो जाएंगी।

दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को 41 फीसदी वोट मिलेगा लेकिन सीटें सिर्फ 193 मिलेंगी। सोचें, एनडीए के मुकाबले 'इंडिया' को सिर्फ दो फीसदी कम वोट मिलेंगे लेकिन सीटें 113 कम मिलेंगी। विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस को 22 फीसदी वोट मिलने का अनुमान जाहिर किया गया है, जो पिछली बार से दो फीसदी ज्यादा है। दो फीसदी वोट बढ़ने और पूरे देश में गठबंधन बना कर चुनाव लड़ने का फायदा यह है कि कांग्रेस की सीटें 52 से बढ़ कर 74 हो जाएंगी। इस सर्वेक्षण के मुताबिक भाजपा पश्चिम बंगाल और बिहार में अपनी पुरानी सीटें बचाने में काफी हद तक कामयाब रहेगी और उत्तर प्रदेश में उसकी सीटें बढ़ेंगी। सर्वेक्षण ने इस लोकप्रिय धारणा की पुष्टि की है कि उत्तर प्रदेश में हिंदुत्व का मुद्दा गुजरात की तरह स्थायी हो गया है और वहां भाजपा 50 फीसदी तक वोट हासिल कर सकती है। सर्वे में उसे 49 फीसदी वोट मिलने की बात कही गई है।

हालांकि अभी चुनाव बहुत दूर हैं और उससे पहले कई बातों से देश का मूड बदल सकता है। पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं, उनके नतीजों का भी लोकसभा चुनाव पर असर होगा। विपक्षी पार्टियों का गठबंधन और मजबूत हुआ तो उसका भी असर चुनाव पर होगा। चुनावी रणनीति, प्रचार और सीटों के बंटवारे का भी बहुत असर चुनाव पर होगा। इसके अलावा कुछ ऐसे फैक्टर हैं, जिन पर किसी का जोर नहीं होता है। ऐसी कोई घटना भी अगले आठ-नौ महीने में हो सकती है, जिसका चुनाव की दिशा पर असर होगा। लेकिन इस सर्वेक्षण से एक बात जाहिर हो गई है कि अगर एनडीए बनाम 'इंडिया' की लड़ाई होती है तो पूरे देश में मुकाबला आमने-सामने का होगा और बहुत नजदीकी होगा। ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में सत्तारूढ़ दलों के किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं होने के बावजूद 84 फीसदी वोट दोनों गठबंधनों के बीच बंट रहे हैं। इसका मतलब है कि दोनों गठबंधन से बाहर की पार्टियों और निर्दलियों को कुल मिल कर 16 फीसदी वोट मिलेंगे।

दोनों गठबंधनों की तस्वीर साफ होने के बाद हुए पहले बड़े सर्वे के नतीजे दोनों पक्षों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। भाजपा भले वोट के मामले में कांग्रेस से बहुत आगे है लेकिन 'इंडिया' के मुकाबले देखें तो वोट का अंतर बहुत कम है। इतने कम अंतर पर भी भाजपा को बहुत ज्यादा सीट मिलने का कारण यह है कि भाजपा का वोट कुछ खास इलाकों में केंद्रित है। जहां उसका वोट नहीं है वहां नहीं है, लेकिन जहां है वहां उसको निर्णायक जीत दिलाने वाला है। मिसाल के तौर पर तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब आदि राज्यों में भाजपा का वोट बहुत कम है। उत्तर भारत के हिंदी भाषी राज्यों और पश्चिम के महाराष्ट्र व गुजरात जैसे राज्यों में भाजपा का वोट केंद्रित होने का एक गणित यह है कि इन राज्यों में उसका वोट स्वाभाविक रूप से 50 फीसदी या उससे ज्यादा हो जाता है, जिससे वह इन राज्यों में ज्यादातर सीटें जीत जाती है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का वोट पूरे देश में है। इसलिए हर सीट पर उसे अच्छा खासा वोट मिलेगा लेकिन उससे चुनाव नहीं जीता जा सकेगा।

विपक्ष की ओर से बार बार 2004 के लोकसभा चुनाव की मिसाल देकर कहा जा रहा है कि उस समय भी किसी को अंदाजा नहीं था कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार हार जाएगी। लेकिन तब और अब में बहुत फर्क है, जिस पर विचार नहीं किया जा रहा है। 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 182 सीटें जीती थीं और उसे 24 फीसदी वोट मिले थे। उस चुनाव में कांग्रेस को सीटें भले 114 मिली थीं लेकिन उसे 28 फीसदी वोट मिले थे। यानी भाजपा से चार फीसदी ज्यादा वोट कांग्रेस को मिले थे। सो, जब 2004 में कांग्रेस लड़ने उतरी थी तो वोट प्रतिशत के मामले में वह भाजपा से बड़ी और मजबूत पार्टी थी। आज कांग्रेस के पास सिर्फ 20 फीसदी वोट है, जबकि भाजपा के पास 37 फीसदी वोट हैं। यानी अगले साल जब भाजपा चुनाव लड़ने उतरेगी तो कांग्रेस से 17 फीसदी ज्यादा वोट के साथ लड़ने उतरेगी। एक दूसरे सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आई है कि 2004 में महज 27 फीसदी लोग मानते थे कि वाजपेयी सरकार की आर्थिक नीतियों की वजह से देश का विकास हुआ है, जबकि आज 38 फीसदी लोग ऐसा मानते हैं। यह बड़ा अंतर है। वाजपेयी और मोदी की लोकप्रियता का फर्क भी बहुत बड़ा है। एक फर्क यह भी है कि अब चुनाव राष्ट्रीय भावनाओं पर हो रहे हैं, विपक्ष को कमजोर करने के अराजनीतिक उपायों का इस्तेमाल बढ़ गया है और भाजपा चुनाव लड़ने की एक बड़ी मशीनरी में तब्दील हो गई है।

सो, 2004 के चुनाव की मिसाल 2024 में बहुत उपयुक्त नहीं है। अगले साल के लोकसभा चुनाव की संभावनाओं का आकलन वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर ही किया जा सकता है। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि विपक्षी गठबंधन के लिए रास्ता बंद हो गया है। इस सर्वेक्षण में ही विपक्ष के लिए उम्मीद की किरण छिपी है। यह साफ हो गया है कि वोट के मामले में गठबंधन बराबरी की टक्कर दे रहा है और भाजपा की सीटें ज्यादा होना एक तकनीकी मामला है, जिसका उपाय निकाला जा सकता है। मिसाल के तौर पर सर्वे के मुताबिक पश्चिम बंगाल में भाजपा पिछली बार की तरह फिर 18 सीट जीत जाएगी और गठबंधन को 24 सीटें मिलेंगी। संभावित गठबंधन की तीनों पार्टियां यानी तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और लेफ्ट सीटों का ऐसा रणनीतिक एडजस्टमेंट कर सकते हैं, जिससे गठबंधन की सीटें बढ़ सकती हैं। इसी तरह एनडीए को बिहार में 14 सीट मिलने की बात कही गई है। वहां भी गठबंधन की पार्टियां बेहतर तालमेल से एनडीए की सीटें और कम कर सकती हैं। ध्यान रहे पहले से माना जा रहा है कि बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक इन चार राज्यों में अगले चुनाव में भाजपा को नुकसान हो सकता है। इस लोकप्रिय धारणा की कुछ हद तक पुष्टि इस सर्वेक्षण से हुई है। सो, विपक्षी गठबंधन की पार्टियों को एक तरफ सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन में बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत है तो दूसरी ओर चुनाव का नैरेटिव तय करने पर फोकस करने की जरूरत है। भारत की जो चमकदार तस्वीर सरकार की ओर से पेश की जा रही है उसके बरक्स अगर विपक्ष जमीनी हकीकत और आम लोगों की जिंदगी से जुड़े मुद्दों का नैरेटिव बनाता है तो उसको फायदा होगा। केंद्र सरकार और भाजपा दोनों की तरफ से बनाए जा रहे हिंदुत्व के नैरेटिव के बरक्स अगर विपक्ष जातीय जनगणना और आरक्षण के मुद्दे से सामाजिक न्याय का नैरेटिव बनाता है तब भी उसको फायदा होगा। इसके बाद भी राष्ट्रवाद और मोदी का मजबूत नेतृत्व विपक्ष के रास्ते की बाधा है, जिससे पार पाने का रास्ता विपक्षी गठबंधन को अगले आठ-नौ महीने में खोजना है।

सू- दोकू क्र.034

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 33 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

विपक्ष में सीट बटवारे का दबाव

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की मुंबई में होने वाली बैठक से पहले इसके घटक दल कांग्रेस के ऊपर दबाव बना रहे हैं। कई सहयोगी पार्टियां चाहती हैं कि मुंबई में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा हो। कांग्रेस को इसमें कोई दिक्कत नहीं है लेकिन कांग्रेस चाहती है कि एक उप समूह बनाया जाए, जो इस संबंध में चर्चा करे और यह चर्चा राज्यवार हो। कांग्रेस नहीं चाहती है कि सारी चर्चा सबके सामने हो। उसके नेताओं का कहना है कि तमिलनाडु में सीट बंटवारे पर चर्चा करनी है तो उसमें बिहार, झारखंड के नेताओं का रहना जरूरी नहीं है। इसी तरह बिहार की चर्चा में महाराष्ट्र के नेताओं के रहने का कोई मतलब नहीं है। इसलिए हो सकता है कि मुंबई में शुरुआती चर्चा हो और अंतिम बातचीत उप समूह की बैठक में हो।

असल में कांग्रेस को सहयोगी पार्टियों की ओर से दबाव झेलना पड़ रहा है। उसकी सारी सहयोगी पार्टियां ज्यादा सीट मांग रही हैं और सबका तर्क यह है कि कांग्रेस तो पूरे देश की पार्टी है लेकिन प्रादेशिक पार्टियों की तो सिर्फ एक या दो राज्य की राजनीति करनी है। इसलिए उसे ज्यादा सीट मिलनी चाहिए। कई राज्यों में प्रादेशिक पार्टियां कांग्रेस के कमजोर संगठन और नेतृत्व की कमी के आधार पर उसे कम सीट लड़ने के लिए कह रही हैं। अगर इन तर्कों से सीटों का बंटवारा होगा तो कांग्रेस को बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। दूसरी ओर कांग्रेस राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और कर्नाटक की जीत का हवाला देकर ज्यादा सीटों पर दावा कर रही है।

कांग्रेस को सबसे ज्यादा मुश्किल बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र और दिल्ली व पंजाब में आ रही है। महाराष्ट्र में अब तक कांग्रेस और एनसीपी मिल कर लड़ते थे इस बार शिव सेना भी गठबंधन में शामिल है। सो, राज्य की 48 लोकसभा सीटें तीन हिस्सों में बंटनी हैं। ऊपर से शिव सेना ने प्रकाश अंबेडकर की पार्टी से भी तालमेल कर लिया है इसलिए वह ज्यादा सीट चाहती है। झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लग रहा है कि उनकी पार्टी जेएमएम विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए लोकसभा में भी उसे ज्यादा सीटों पर लड़ना चाहिए। वे कांग्रेस से ज्यादा सीट पर लड़ना चाहते हैं और ऐसी सीटों पर भी उम्मीदवार आगे किया है, जहां कांग्रेस जीतती रही है और पिछली बार भी बहुत कम अंतर से हारी है। बताया जा रहा है कि सात-सात सीटों का बंटवारा चाहते हैं और यह भी चाहते हैं कि राजद को कांग्रेस अपने कोटे से सीट दे। उधर आम आदमी पार्टी की ओर से दिल्ली में दो और पंजाब में पांच से छह सीट का प्रस्ताव दिया जा रहा है। दिल्ली में तो दोनों पार्टियां जीरो पर हैं लेकिन पंजाब में पिछली बार कांग्रेस के आठ सांसद जीते थे। वह कम से कम आठ सीटों पर लड़ना चाहती है। लेकिन आम आदमी पार्टी 92 विधानसभा सीट के प्रचंड बहुमत के दम पर ज्यादा सीट मांग रही है। (आरएनएस)

बॉडीकॉन आउटफिट पहन साक्षी मलिक ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस साक्षी मलिक आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लाइमलाइट लूट लेती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो सुपर बोल्ड लुक्स देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस साक्षी मलिक बम डिगी डिगी गाने से लोगों के बीच काफी पॉपुलर हैं। उनका ये गाना हिट भी रहा था। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज देखकर एक बार फिर से फैंस का दिल मचल गया है। एक्ट्रेस ने अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में ब्राउन कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है। साक्षी मलिक अपने इस लुक में बेहद ही स्टनिंग और हॉट दिखाई दे रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लग जाता है। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। हालांकि एक्ट्रेस के लेटेस्ट फोटोशूट ने भी इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में उनके स्टनिंग अवतार से फैंस की निगाहें नहीं हट पा रही हैं।

खाई में गिरने से युवक की मौत, शव बरामद

हमारे संवाददाता

टिहरी। सड़क किनारे खड़े हुए व्यक्ति की गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चला कर मृत व्यक्ति को बाहर निकला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज पुलिस द्वारा एसडीआरफ को सूचना दी गयी कि ब्यासी के पास गूलर क्षेत्र में एक व्यक्ति खाई में गिर गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि एक व्यक्ति लगभग 100 मीटर नीचे खाई में गिरा हुआ है। जिस पर एसडीआरएफ टीम ने रोप की सहायता से खाई में उतरकर उक्त व्यक्ति तक पहुँच बनायी, परन्तु उक्त व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी थी। टीम द्वारा उक्त व्यक्ति के शव को रोप व स्ट्रेचर द्वारा खाई से बाहर निकाला गया और शिनाख्त एवं अन्य अग्रिम कार्यवाही हेतु जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। घटनास्थल पर स्थानीय लोगो द्वारा बताया गया की उक्त व्यक्ति खाई के किनारे खड़ा था और अचानक पैर फिसलने से अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान लाल सिंह राणा निवासी फरीदाबाद हरियाणा के रूप में हुई है।

मॉल के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मॉल के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवेक विहार बंसत विहान निवासी अभिराज कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह ओल्ड सर्वे रोड पर स्थित मॉल में गया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल मॉल के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

फैक्ट्री से चोरी कर भाग रहे तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। आईडीपीएल से चोरी कर भाग रहे तीन लोगों को लोगों ने पकड पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उपवन क्षेत्राधिकारी चन्द्रशेखर भटट ने ऋषिकेश कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि तीन लोग आईडीपीएल के अन्दर से बोरियों में लोहा व अन्य सामान चोरी कर ई रिक्शा में भरकर भाग रहे थे जिनको उसने आसपास के लोगों की मदद से पकड लिया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर सामान को कब्जे में ले लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम बलराम यादव पुत्र बब्बन यादव निवासी शीशम झाडी मुनिकी रेती, रोहित राजभर पुत्र रामप्रसाद निवासी गोविन्द नगर बस्ती, अमित कुमार पुत्र कीरत सिंह निवासी लकडघाट खदरी बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के नशे में 23 सवारियों सहित चला रहा था वाहन, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। शराब के नशे में बुलेरो वाहन में 23 सवारियों बैठाकर सड़क दुर्घटना को दावत दे रहे बुलेरो चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही बुलेरो वाहन को भी सीज किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना लमगड़ा पुलिस द्वारा क्षेत्र में वाहन दुर्घटनाओं को रोकने हेतु अभियान चलाया जा रहा था।

इस क्रम में पुलिस द्वारा मोरनौला में जब एक बुलेरो को रोक कर चैक किया गया तो वाहन की छत में 7 सवारी सहित वाहन में कुल 23 सवारी बैठाना पाया गया। वाहन चालक की जब एल्कोमीटर से जांच की गयी तो वह शराब के नशे में पाया गया। जिस पर पुलिस ने वाहन चालक लक्ष्मण सिंह नगदली पुत्र शेर सिंह नगदली निवासी ग्राम महतोली थाना मुक्तेश्वर को मोटर वाहन अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस ने बुलेरो वाहन को भी सीज कर दिया है।

बागेश्वर उपचुनाव में भाजपा ने मारी बाजी..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

आसपास है। एक खास बात यह है की पार्वती चंदन रामदास ने कई बार चुनावी मंचों पर आंसुओं के साथ वोटो के लिए भावुक अपील की थी। जिसका असर खास तौर पर महिला मतदाताओं पर दिखा और इसी सहानुभूति वोट ने उनकी चुनावी जीत को सुनिश्चित भी किया।

एएनटीएफ टीम देहरादून ने नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नशे से बचाव के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाते हुए स्कूल कालेजों के बाहर चैकिंग के दौरान पांच दुकानदारों के चालान किये।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, व पुलिस अधीक्षक अपराध जनपद देहरादून के दिशा निर्देश में युवाओं में बढ़ते हुए नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरुद्ध 'नशा मुक्त देहरादून उत्तराखण्ड अभियान' के तहत नशीले पदार्थों की जांच हेतु एवं आवागमन पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चेकिंग तथा युवाओं के बीच नशे से बचने के लिए समय समय पर जन

जागरूकता अभियान चलाये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया गया है। उक्त क्रम में एस पी क्राइम जनपद देहरादन व पुलिस उपाधीक्षक ए एन टी एफ के पर्यवेक्षण में रविन्द्र सिंह यादव एएनटीएफ टीम प्रभारी के नेतृत्व में स्कूलों से 100 मीटर की परिधि के अंतर्गत तंबाकू/नशीले उत्पादों को बेचे जाने के संबंध में अभियान चलाया गया, जिसमे कोतवाली कैंट देहरादून क्षेत्रान्तर्गत स्थित ' स्कूलो के आस-पास रेडीवालों-दुकान वालो, आटो-चालको, वैन चालको को चेक किया गया नशीले उत्पादों को बेचे जाने के संभंध में की गई चौकिंग के दौरान अनियमिता पाए जाने पर 81 पुलिस अधिनियम व कोटपा अधिनियम के तहत 05 चालान की कार्यवाही करते हुए दुकानदारों को भविष्य में ऐसे उत्पाद स्कूलों के आस पास न बेचे जाने की सख्त हिदायत दी गयी व आम- जन को नशा मुक्ति, नशे के दुष्प्रभावों के सम्बंध में जागरूक किया गया।

हिस्ट्रीशीटर महिला अवैध शराब सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में अवैध शराब कारोबार से जुड़ी एक महिला हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने 2 पेटी देशी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना कनखल पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र की एक महिला हिस्ट्रीशीटर अपराधी अवैध शराब सहित आने वाली है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान ई रिक्शा पार्किंग से उसे दो पेटी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला पूर्व में भी कई बार जेल जा चुकी है। जिसका नाम ज्यति पत्नी राजू निवासी कनखल बताया जा रहा है।

ऑपरेशन स्माइल टीम ने गुमशुदा 4 बच्चों को किया परिजनों के सुपुर्द

हमारे संवाददाता

पौड़ी। पुलिस मुख्यालय स्तर से गुमशुदाओं की तलाश हेतु 1 सितम्बर से 31अक्टूबर तक 2 माह का "ऑपरेशन स्माईल" अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों/ऑपरेशन स्माईल टीम को गुमशुदा बच्चों की तलाश कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द करने हेतु निर्देशित किया गया है।

जिसके क्रम में 7 सितम्बर को आप्रेशन स्माईल टीम को बस स्टेशन कोटद्वार पर 2 नाबालिग रोते हुए मिले। जिस पर पुलिस द्वारा बच्चों को सुरक्षा की दृष्टि से एएचटीयू कार्यालय लाया गया जहाँ ऑपरेशन स्माईल टीम द्वारा बच्चों से अपनेपन का एहसास दिलाकर पूछताछ की गयी तो बच्चों ने अपना नाम नाम विजय एवं नन्हे निवासी- लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश बताया साथ ही बताया कि वह लखीमपुर खीरी से गलती से ट्रेन में बैठ कोटद्वार पहुंच गए। जिस पर एएचटीयू टीम द्वारा परिजनों से सम्पर्क कर एएचटीयू कार्यालय कोटद्वार बुलाकर सीडब्ल्यूसी के माध्यम से काउंसलिंग कर दोनों बच्चों को उनकी माता के सुपुर्द किया गया।

साथ ही 7 सितम्बर को ही संतोष पुत्र कनकयी निवासी लालगंज उ.प्र. ने एएचटीयू कार्यालय कोटद्वार पर सूचना दी कि वे लोग अपने परिवार के साथ कोटद्वार घूमने आये थे देवी मन्दिर के आस पास उनके बच्चे अन्थ बाबू, उम्र-3 वर्ष व आजाद, उम्र-4 वर्ष उनसे बिछड़ गये हैं। जिस सूचना पर ऑपरेशन स्माइल टीम द्वारा बिना समय गँवाये अथक प्रयास कर दोनों नाबालिक बच्चों को देवी मंदिर कोटद्वार से सकुशल बरामद कर सीडब्ल्यूसी के माध्यम से काउंसलिंग कर दोनों बच्चों को उनके माता-पिता के सुपुर्द किया गया। अपने जिगर के टुकडों को अपने पास पाकर परिजनों द्वारा पौड़ी पुलिस का आभार जताया गया।

अल्पसंख्यक आयोग की जन-जानकारी अभियान बैठक 16 को

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग की जन-जानकारी अभियान बैठक 16 सितम्बर को मसूरी नगर पालिका सभागार में होगी।

आज यहां सचिव उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग जे.एस रावत ने अवगत कराया है कि अध्यक्ष, उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग द्वारा 16 सितंबर 2023 को पूर्वाह्न 11 बजे जनपद देहरादून में स्थित मसूरी नगर पालिका परिषद सभागार में अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं अधिकारों के प्रति जागरूक किए जाने एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जन-जानकारी अभियान कार्यक्रम एवं भिन्न जनपदीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

बैठक में उपजिलाधिकारी, मसूरी पुलिस क्षेत्राधिकारी, मसूरी एवं अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, मसूरी सहित निम्न विभागों के वरिष्ठतम् अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। जैसे पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, विद्युत विभाग, नगरपालिका परिषद मसूरी, अग्रणी बैंक, पेयजल / जल संस्थान, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, श्रम विभाग, सेवायोजन विभाग, वन विभाग, राजस्व विभाग, अर्थ एवं संख्या विभाग, विकास विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, समाज कल्याण विभाग, उद्योग विभाग, डेरी विभाग/दुग्ध विभाग, सूचना विभाग, खाद्यान विभाग, खादी ग्रामोद्योग विभाग, पशुपालन विभाग, बाल विकास, जिला युवा कल्याण विभाग सभी वरिष्ठतम अधिकारी उपस्थित होंगे। अत: उक्त के क्रम में मसूरी स्थित नगरपालिका परषिद सभागार को प्रस्तावित समीक्षा बैठक हेतु आरक्षित कराने के साथ-साथ अपने स्तर से उक्त समस्त अधिकारियों को बैठक में अनिवार्य रूप से अपने-अपने दिमाग से संबंधित योजनाओं की सूचनाएं एवं उनके विभाग द्वारा संबंधित योजनाओं से अल्पसंख्यक समुदाय को लाभान्वित किए जाने से संबंधित सूची / सूचनाओं सहित उपस्थित होने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।

इसके साथ ही जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी देहरादून को जनपद में निवासरत सम्भ्रान्त व्यक्तियों व अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्तियों को भी अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में एकत्रित करने एवं कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार व अन्य व्यवस्था कराने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें। भ्रमण कार्यक्रम की रूपरेखा पृथक से प्रेषित की जाएगी।

एक नजर

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने की केंद्र की मोदी सरकार की सराहना!

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता मनमोहन सिंह ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर कठिन राजनयिक स्थिति को संभालते हुए भारत के संप्रभु और आर्थिक हित को पहले रखने के केंद्र की मोदी सरकार के कदम की सराहना की है। मनमोहन सिंह ने कहा है कि भारत ने इस दिशा में सही काम किया है। एक इंटरव्यू में मनमोहन सिंह ने कहा कि जब दो या दो से ज्यादा देश संघर्ष में फंस जाते हैं तो अन्य देशों पर अपना पक्ष चुनने के लिए बहुत ज्यादा दबाव बन जाता है, ऐसे में भारत ने सही कदम उठाया है। मनमोहन सिंह कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के तहत 2004 और 2014 के बीच भारत के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। मनमोहन सिहं 20 शिखर सम्मेलन में में भारत की अध्यक्षता देखकर खुश हैं। वो ये भी देखकर खुश हैं कि भारत की विदेश नीति पहले की तुलना में आज कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि भारत ने शांति की अपील करते हुए अपने संप्रभु और आर्थिक हितों को पहले रखकर सही काम किया है। उन्होंने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन को सुरक्षा संबंधी विवादों को निपटाने के मंच के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और सदस्य देशों और संस्थानों को जलवायु चुनौतियों, असमानता और वैश्विक व्यापार में विश्वास से निपटने के लिए नीति समन्वय पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

इसरो बनाएगा अंतरिक्ष में दुनिया का तीसरा स्पेस स्टेशन

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 को चांद के साउथ पोल पर उतारकर इसरो ने एक ऐसा इतिहास रचा जिसकी दुनिया कायल हो गई। अब हमारा देश जल्द ही अंतरिक्ष की महाशक्ति के तौर पर जाना जाएगा। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन और चीन के तियागोंग स्पेस स्टेशन के बाद भारत दुनिया का तीसरा स्पेस स्टेशन बनाएगा। चंद्रयान-3 मिशन के बाद भारत आदित्य एल-1 मिशन लांच कर चुका है, अब बारी भारत के सबसे महत्वाकांक्षी मिशन गगनयान की है जो इसरो का पहला मानव मिशन होगा। ठीक इसके बाद भारत स्पेस स्टेशन प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने वाला है जो उसे दुनिया की टॉप स्पेस एजेंसी की कतार में सबसे ऊपर लाकर खड़ा कर देगा। भारत की ओर से जो स्पेस स्टेशन बनाया जाएगा उसका भार 20 टन होगा, जबकि इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन का भार तकरीबन 450 टन और चीनी स्पेस स्टेशन का वजन तकरीबन 80 टन तक है। इसरो की योजना इसे इस तरह तैयार करने की है ताकि इसमें 4-5 अंतरिक्ष यात्री रह सकें। इसे धरती की निम्न ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा।

कंगना रनौत ने किंग खान को बताया 'इंडियन सिनेमा का गॉड'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की जवान सिनेमाघरों में रिलीज होकर तहलका मचाने लगी है। फिल्म ने पहले दिन 80 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है, जिसे देखकर सिनेमाप्रेमी खुश हैं। अदाकारा कंगना रनौत भी जवान की शानदार शुरुआत से काफी उत्साहित हैं और उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किंग खान को इंडियन सिनेमा का गॉड बताया है। कंगना रनौत ने पोस्ट में लिखा है कि किंग खान ने बुरे दौर में हिम्मत नहीं हारी, जिसका नतीजा ये हुआ कि आज वो सबसे बड़े स्टार बन गए हैं। कंगना रनौत ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है, 90 के लवर बॉय से लेकर दर्शकों संग कनेक्शन बनाने के लिए लम्ब वक्त तक की स्ट्रगल तक... किंग खान 60 की उम्र में भारत के सबसे बड़े मास एंटरटेनर बनकर उभरे हैं। ये काम करना रियल लाइफ में काफी हीरोइक है। मुझे याद है जब लोगों ने किंग खान के बारे में नकारात्मक लिखना शुरू कर दिया था और कहा था कि उनका वक्त खत्म हो चुका है। किंग खान की स्ट्रगल उन लोगों के लिए मास्टर क्लास है, जो लम्बा करियर एन्जॉय करना चाहते हैं। शाहरुख खान इंडियन सिनेमा के वो गॉड हैं जो डिंपल से बढ़कर हैं। मैं किंग खान के स्ट्रगल और हार्ड वर्क को सलाम करती हूं। बताते चलें कि पठान से पहले किंग खान की फिल्में एक के बाद एक बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो रही थीं। उस दौर में लोगों ने कहना शुरू कर दिया था कि किंग खान का वक्त खत्म हो गया है। हालांकि शाहरुख ने कभी भी हार नहीं मानी, जिसका नतीजा ये हुआ कि वो बॉलीवुड के नम्बर 1 स्टार बन गए हैं।

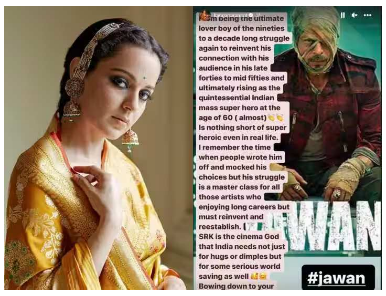

विकास के प्रस्तावों पर त्वरित व समयबद्ध कार्यवाही करें: रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने समस्त अपर मुख्य सचिवो, प्रमुख सचिवो तथा सचिवो को विधायकों द्वारा उपलब्ध कराये गए विकास के 10-10 प्रस्तावो पर त्वरित एवं समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिये।

आज यहां अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने समस्त अपर मुख्य सचिवो, प्रमुख सचिवो तथा सचिवो को विधायकों द्वारा उपलब्ध कराये गए विकास के 10-10 प्रस्तावो पर त्वरित एवं समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा है कि मुख्यमन्त्री द्वारा विगत वर्ष 16 सितम्बर, 2022 को समस्त विधायकों से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए जनहित से जुड़ी 10-10 विकास योजनाओं के प्रस्ताव उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया था। इस सम्बन्ध में विधायको से प्राप्त प्रस्तावों में से मुख्यमन्त्री द्वारा विगत में संलग्न सूची के अनुसार 110 घोषणाएं किया जाना संज्ञानित है। अपर मुख्य सचिव श्रीमती रतूड़ी ने इस सम्बन्ध में सम्बंधित अधिकारियो को प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये है। एसीएस ने विधायकों के 10-10 प्रस्तावों में से की गयी घोषणाओं

या भविष्य में की जाने वाली घोषणाओं में तत्काल शासनादेश निर्गत करते हुए घोषणाओं को मूर्त रूप दिये जाने की समयबद्ध कार्यवाही के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घोषणाओं के 10-10 प्रस्तावों में से जो योजनाएं विभागीय स्तर पर पूर्व से घोषित है अथवा संचालित हैं, उनका चिन्हीकरण करते हुए संलग्न सूची का भाग बनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए है कि प्राप्त प्रस्तावों में यदि किसी जिलाधिकारी द्वारा कोई प्रस्ताव अपरिहार्य कारणों से उपयुक्त न होने सम्बन्धी आख्या दी गयी है, तो सम्बन्धित विधायक से चर्चा उपरान्त नए प्रस्ताव जिलाधिकारी से प्राप्त कर लिए जाएं। इसके साथ ही विधायकं से प्राप्त प्रस्तावों में से ऐसे प्रस्ताव जिनमें व्यय न्यून है, या व्यय नहीं होना है, ऐसे प्रस्तावों को चिन्हित करते हुए तत्काल घोषणा का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि प्राप्त प्रस्तावों में त्वरित एवं समयबद्ध कार्यवाही हेतु सम्बन्धित विभाग एवं विशेषकार्याधिकारी से साप्ताहिक प्रगति आख्या प्राप्तकर अनुश्रवण कर लिया जाए। इसके साथ ही एसीएस ने जानकारी दी कि विधायक से प्राप्त प्रस्तावों में त्वरित व समयबद्ध कार्यवाही किये जाने की दृष्टि से विशेष कार्याधिकारी की तैनाती की जा चुकी है।

नाबालिग के अपहरण में एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नाबालिग के अपहरण में एक को गिरफ्तार कर नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया।

पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 05 सितम्बर 23 को थाना सेलाकुई जनपद देहरादून निवासी व्यक्ति ने थाना सेलाकुई पर तहरीर दी कि उसकी नाबालिग पुत्री उम्र 15 वर्ष, घर से बिना बताए कहीं चली गयी है तथा अभी तक वापस नहीं आयी है जिसको काफी तलाश किया गया। जिस पर तत्काल थाना सेलाकुई पर अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशानुसार क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष द्वारा गुमशुदा द्वारा प्रयोग किए कि मोबाइल नंबर की लोकेशन / सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन व थाना स्तर पर पुलिस टीम गठित कर रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत सूचना के आधार पर राजावाला सेलाकुई से अनुज खंडूरी पुत्र चण्डी प्रसाद खण्डरी निवासी गढवाली कालोनी भाऊवाला के साथ अपहृता लड़की उम्र 15 वर्ष को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, पोक्सो सहित अन्य धाराओं को बढाकर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अनंत अंबानी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये 25 करोड़ रुपये

संवाददाता

देहरादून। रिलायंस इंडस्ट्रीज के निदेशक अनंत अंबानी ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 25 करोड की धनराशि प्रदान की।

आज यहां रिलायंस इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड के निदेशक श्री अनंत अंबानी ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 25 करोड़ की धनराशि प्रदान की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के लिए दिये गये इस सहयोग के लिए, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अनंत अंबानी का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक अनंत अंबानी की ओर से रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 25 करोड़ रूपये का चेक सौंपा।

वरिष्ठ पत्रकार ने की आत्महत्या

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। दैनिक समाचार पत्र के वरिष्ठ पत्रकार कुंदन शाह ने बेहद रहस्यमय परिस्थितियों में अपने घर में फांसी पर लटक कर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कुंदन शाह चीमा चौराहे के पास किराए के मकान में अकेले रहते थे। बताया जा रहा है कि कल शाम उनके पड़ोसियों ने जब दरवाजे के अंदर झांक कर देखा तो कुंदन शाह का शव पंखे से लटका हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक कुंदन शाह के इस प्रकार आत्महत्या किए जाने को लेकर तरह-तरह के कयास जरूर लगाए जा रहे हैं परंतु उन्होंने किन परिस्थितियों में आत्महत्या की इसका किसी को पता नहीं चला है। मृतक कुंदन शाह की पत्नी का बहुत साल पहले निधन हो चुका है, उनके इकलौते लड़के की भी बीमारी के चलते कुछ वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी। मृतक शाह की एक लड़की का विवाह रुद्रपुर के एक पत्रकार से हुआ है। सूचना पाकर आज सुबह उनकी लड़की भी यहां पहुंच गई है परंतु आत्महत्या का रहस्य बरकरार है और पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।